>

Title: Regarding problems being faced in the implementation of MNREGA.

श्री प्रेमदास (इटावा): महोदय, आपने मुझे मनरेगा के बारे में बोलने मौका दिया। पूरे देश में मनरेगा योजना चल रही है। अगर यह योजना पांच साल चली तो देश 15 साल पीछे चला जाएगा। पूरे देश में गरीबों को भिखमंगा बनाया जा रहा है। महंगाई सात प्रतिशत से बढ़कर 11 प्रतिशत तक हो गयी है और इस योजना में 100 रूपए मजदूरी मिलती है। अरहर की दाल 80 रुपये किलो हो गयी है। गरीब को भिखमंगा बनाया ही जा रहा है, किसान और कृषि को भी बर्बाद करने का काम सरकार कर रही है। जब कृषि के लिए मजदूरों की आवश्यकता होती है, तो मजदूर नहीं मिलते हैं। जब 41,000 करोड़ रुपये आपने इस योजना के अंतर्गत दिए, तो क्यों नहीं पढ़ाई के लिए दिए, क्यों नहीं दवाई का इंतजाम किया, क्यों नहीं रोजगार का इंतजाम किया? 100 रुपये देने से क्या होगा? मनरेगा में भ्रष्टाचार व्याप्त हो गया है। उत्तर प्रदेश में मनरेगा का पैसा लूटा जा रहा है। इटावा में कैमरे खरीदे जा रहे हैं, कानपुर देहात और रमाबाई में अधिकारी लोग कुर्सी-मेज खरीद रहे हैं, पैसे का इतना दुरूपयोग हो रहा है।

सभापति महोदय : आपने जो नोटिस दिया है, उसके बारे में बोलिए। आपकी नोटिस जिस समस्या के बारे में है, उसके बारे में बोलिए। You have no time to go into all these things. Please conclude in two minutes.

श्री प्रेमदास : मजदूर जब काम करते हैं, तो चार महीने तक उनको पैसे नहीं मिलते हैं। अब प्रधानों की अहमियत कम हो गयी है। भ्रष्टाचार की वजह से उनको बुरी निगाह से देखा जा रहा है, इसलिए मेरी मांग है कि इस योजना को बंद करके जनहित में, गरीबों के लिए पढ़ाई, दवाई और रोजगार के इंतजाम किए जाएं। इसी तरह से एक स्कीम मिड डे मील चल रही है जिससे हमारे गांवों के बच्चे कटोरा लेकर स्कूल जाते हैं। यह सबसे खराब स्कीम है, इसकी वजह से पढ़ाई बिल्कुल चौपट हो गयी है। इस स्कीम को बंद करें। अगर सरकार को पैसा देना है, तो डायरेक्ट उनके खाते में पैसा डाला जाए। यही मेरी मांग है।